यात्री परिवहन का राष्ट्रीयकरण का विरोध, थमेंगे बसों के पहिये

7 सूत्रीय मांगों को लेकर 7 अगस्त से हड़ताल का ऐलान, बस ऑपरेटर एसोसिएशन ने कलेक्ट्रेट पहुंच सौंपा ज्ञापन

बालाघाट देशबन्धु। मध्यप्रदेश बस ऑपरेटर एसोसिएशन के आव्हान पर प्रदेशभर में अब 7 सूत्रीय मांगों की पूर्ति के लिये 7 अगस्त से बस संचालकों ने हड़ताल पर जाने का ऐलान कर दिया है। सरकार से नाराजगी में यात्री बसों का राष्ट्रीयकरण किये जाने का प्रमुख रूप से विरोध है। इसके साथ ही टेंडर रायल्टी रोके जाने, 10 वर्षो से नहीं बढ़ाये गये किराये को बढ़ाते हुए राहत दिये जाने के अलावा नई यात्री बसों का पंजीयन, परमीट नवीनीकरण जैसी मांगों को लेकर बस ऑपरेटर अब आर-पार के मूड में आ गये है। बालाघाट जिला बस ऑपरेटर एसोसिएशन द्वारा बुधवार को कलेक्ट्रेट पहुंच ज्ञापन दिया गया और कहा कि अब हमारे लिये करो या मरो की स्थिति है।

ज्ञापन में बताया कि मध्यप्रदेश राजपत्र 7 जुलाई 2026 को प्रकाशित नियम इंदौर संभाग के 40 मार्गो की स्कीम का राष्ट्रीयकरण है जिससे आगामी दिनों में सरकार प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी लागू करके प्रदेश के बस मालिकों का व्यवसाय समाप्त करना चाहती है इस नियम को वापिस लिया जाना चाहिये। साथ ही टेंडर के द्वारा रायल्टी लेने के सराकर के कदम का भी कड़ा विरोध जताया। यात्री भाड़े में वृद्धि को लेकर कहा कि 2021 में किराया निर्धारण हुआ था और बोर्ड की बैठक हो चुकी है जिसमें ढाई रूपये प्रति किमी किराया प्रस्तावित है लेकिन सरकार ने अब तक किराया वृद्धि नहीं की है।

नवीन यात्री वाहनों के पंजीयन को लेकर बस संचालकों का कहना है कि 1200 बसें पंजीयन के इंतजार में है, बसों के परमीट स्वीकृति के वक्त 15 वर्ष की आयु सीमा को समाप्त किये जाने की मांग भी शामिल है। परमिटों का नवीनिकरण करने, अधिकारियों की

कार्यशैली में सुधार किये जाने तथा बस मालिकों का शोषण बंद करने जैसी मांगों का समावेश है।

7 सूत्रीय मांगों को लेकर बताया गया कि प्रदेश के 55 जिलों के मोटर मालिकों की बैठक में इसे रख गया था और समय-समय पर ज्ञापन के माध्यम से शासन के संज्ञान में भी लाया गया है, परिवहन सचिव एवं अन्य अधिकारी के साथ परिवहन मंत्री के साथ हुई बैठक असफल रही है लेकिन अब बसों की हड़ताल सुनिश्चित है अगर सरकार मांगे नहीं मानती है तो प्रदेशभर में बसों के पहिये जाम हो जाएंगे।

बस संचालक बोले- अब बन गई है करो या मरो की स्थिति

बालाघाट जिला बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन अध्यक्ष मुकेश चौहान ने बताया कि स्थाई परमीट के आवेदन 1 वर्ष से स्वीकार नहीं हुये है, 10 हजार की फीस ऑपरेटरों ने जमा कर रखी है, समझ नहीं आ रहा है कि शासन चाहती क्या है। यात्री परिवहन का राष्ट्रीयकरण किया जा रहा है सरकार ऐसा कौन सा करिश्मा करने वाली है जिससे क्या सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि हम सरकार के आदेश का पालन कर रहे है, किन्तु अब करो या मरो की स्थिति है। ज्ञापन सौंपने के दौरान एसोसिएशन उपाध्यक्ष कपिल अग्रवाल, कमलनारायण शर्मा, आतीश अग्रवाल, अरविंद पातरे, सचिव श्याम कौशल, सहसचिव हरमिन्दर सिंह, बंटी सिंघई, हनीफ खान, करतार सिंह, इमरान खान, कोषाध्यक्ष अंकित जायसवाल सहित अन्य उपस्थित रहे।

किरनापुर में जिला स्तरीय शिविर का आयोजन 7 को

बालाघाट, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रदेश की जनता से सीधा संवाद एवं जुड़ाव स्थापित करने और समस्याओं का शत.प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान.2026 आगामी 7 अगस्त से बालाघाट जिले में भी प्रारंभ किया जा रहा है। यह अभियान आगामी 8 जनवरी 2027 तक संचालित होगा।

कलेक्टर कुमार सत्यम के मार्गदर्शन में इस अभियान के अंतर्गत 07 अगस्त को किरनापुर में जिला स्तरीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर के परिसर में आयोजित इस शिविर में सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहेंगें।

प्रतिबंधित मछली जब्त

बालाघाट, देशबन्धु। मछलियों के प्रजनन काल के दौरान मत्स्य आखेट पर लगे प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मत्स्य विभाग ने बुधवार को परसवाड़ा में कार्रवाई करते हुए 120 किलोग्राम मेजर कार्प मछली जब्त की। इसके साथ ही 60 किलोग्राम प्रतिबंधित थाईलैंड मांगुर प्रजाति की मछलियों को जब्त कर उनका विनष्टीकरण किया गया।

इस दौरान दलप्रभारी श्रीमति वैशाली मेश्राम सहायक मत्स्य अधिकारी, रीतेश चौधरी सहायक मत्स्य अधिकारी एवं शिवकुमार सूर्यवंशी वाहन चालक मौजूद थे। सहायक संचालक मत्स्योद्योग श्रीमती पूजा रोडगे ने बताया कि मछलियों के प्रजनन काल को ध्यान में रखते हुए 15 जून से 15 अगस्त 2026 तक प्रदेश में मत्स्य आखेट पर प्रतिबंध लागू है। प्रतिबंध अवधि के दौरान अवैध रूप से मछली पकड़ने और बिक्री पर विभाग द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में 5 अगस्त को विकासखंड परसवाड़ा के मत्स्य बाजार में निरीक्षण के दौरान 120 किलोग्राम मेजर कार्प मछली जब्त की गई।

एक्शन मोड में कलेक्टर कुमार सत्यम, जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण

2 माह में प्रसव के लिये भर्ती एवं रेफरल महिलाओं का मांगा रिकार्ड

बालाघाट, देशबन्धु। कलेक्टर का कार्यभार संभालते ही कुमार सत्यम ने जिला अस्पताल की अव्यवस्थाओं को सुधारने के लिये औचक निरीक्षण किया है क्योंकि जब वे बालाघाट पहुंचे थे प्रसव के लिये भर्ती गर्भवती महिला को निजी चिकित्सालय में भेजे जाने की खबर से सामना हुआ था साथ ही अस्पताल में व्याप्त समस्याओं को लेकर भी उन्होंने यह निरीक्षण किया है। कलेक्टर ने कहा है कि अगली बार निरीक्षण के लिये आउंगा तब तक यह व्यवस्थाएं सुधर जानी चाहिये। साथ ही उन्होंने अस्पताल में मरीजों तथा परिजनों को दी जा रही सुविधाओं को लेकर भी व्यापक रूप से सुधार करने के निर्देश अस्पताल प्रबंधन को दिये है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ओपीडीए विभिन्न वार्डों और उपचार सुविधाओं का अवलोकन किया तथा मरीजों से बातचीत कर उन्हें मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के कलेक्टर कुमार सत्यम ने ओपीडी, सेंट्रल पैथोलॉजी, आर्थोपेडिक वार्ड, मेडिकल वार्ड, ब्लड बैंक, नेत्र वार्ड, पोषण पुनर्वास केंद्र, महिला वार्ड, सोनोग्राफी केंद्र तथा नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई का निरीक्षण किया और

चिकित्सकों एवं स्टाफ की उपस्थिति की भी समीक्षा की। कलेक्टर ने कुपोषित बच्चों के उपचार के लिए संचालित पोषण पुनर्वास केंद्र तथा प्रसूता महिलाओं के प्रतीक्षा कक्ष में एयर कंडीशनर एसी लगाने के निर्देश दिए। साथ ही ओपीडीए सेंट्रल पैथोलॉजी और एसएनसीयू में मरीजों के बैठने के लिए पर्याप्त संख्या में बेंच उपलब्ध कराने, सभी वार्डों एवं प्रतीक्षा कक्षों में पंखों की व्यवस्था तथा स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

वार्डो का लिया जायजा

उन्होंने जिला अस्पताल के नए भवन के लिए प्रस्ताव तैयार करने को कहा तथा वर्तमान भवन में जहां मरम्मत और सुधार की आवश्यकता है, उसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने के निर्देश दिए। अस्पताल परिसर में नियमित साफ-सफाई बनाए रखने और चिकित्सकों व कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने अस्पताल में प्रसव के लिए आने वाली गर्भवती महिलाओं का पिछले दो माह का विस्तृत रिकॉर्ड उपलब्ध कराने को कहा। इस रिकॉर्ड में भर्ती होने वाली गर्भवती महिलाओं की संख्या, अस्पताल में हुए प्रसव, रेफर किए गए मामलों तथा भर्ती के बाद स्वयं अन्य अस्पतालों में ऑपरेशन के लिए जाने वाली महिलाओं की जानकारी शामिल करने के निर्देश दिए।

हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियां हुई शुरू

बालाघाट, देशबन्धु। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेश शासन द्वारा 9 से 17 अगस्त तक जनसहभागिता के साथ हर घर तिरंगा अभियान संचालित किया जाएगा। इस वर्ष अभियान को विशेष रूप से राष्ट्रीय गीत श्वंदे मातरम्श् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उत्सव से भी जोड़ा गया है। अभियान के सफल आयोजन को लेकर कलेक्टर कुमार सत्यम ने जिले के सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। अभियान के दौरान देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें सैन्य बलों के जवानों एवं पुलिसकर्मियों के लिए पत्र लेखन अभियान भी शामिल रहेगाए जिसके माध्यम से नागरिक उनके प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करेंगे। प्रदेश शासन के निर्देशानुसार स्थानीय स्व.सहायता समूहों तथा उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से खादी एवं पॉलिएस्टर से निर्मित राष्ट्रीय ध्वज की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

नहर में मिली 20 वर्षीय अज्ञात युवती की लाश

बालाघाट, देशबन्धु। वारासिवनी थाने के तहत डोंगरगांव-लिंगमारा के निकट स्थित नहर में एक 20 वर्षीय युवती की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर बालाघाट से एफएसएल टीम पहुंची और वारासिवनी पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही की। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार मृतिका की पहचान नहीं हो पाई है, जिसे लेकर पुलिस के द्वारा आसपास के ग्रामों में भी

सूचना दी गई है। घटना के बाद बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ नहर के आसपास इकट्ठा हो गई थी, पुलिस द्वारा युवती की शिनाख्ती के प्रयास किये जा रहे थे। पोस्टमार्टम एवं जांच उपरांत ही युवती के मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

माईल स्टोन से टकराई बाईक 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत

बालाघाट, देशबन्धु। दोस्त के साथ बाईक में सवार होकर मॉयल उकवा जा रहे एक 40 वर्षीय व्यक्ति की बाईक अचानक ही अनियंत्रित होकर माईल स्टोन से टकरा गई। जिसे घायल अवस्था में जिला अस्पताल लाया गया और यहां से रिफर किया गया था लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। उमेश ग्वाले 40 वर्ष और उसका दोस्त देवेश क्षीरसागर दोनों ही मोटरसाईकिल से उकवा मॉयल की ओर जा रहे थे तभी पोंगारझोड़ी और उकवा के बीच यह हादसा हो गया।

आज से शुरू होगा आला हज़रत का 108 वां सालाना उर्स

बालाघाट, देशबन्धु। पूरी दुनिया को इस्लाम धर्म की मूल विचारधारा सूफीवाद की पहचान कराने वालेए विश्व प्रसिद्ध धर्मगुरू और महान सूफी संत इमाम अहमद रजा खान आला हज़रत के तीन

दिवसीय 108 वां सालाना उर्स की शुरूआत आज 6 अगस्त से होगी। जिसका समापन आगामी 8 अगस्त को कुल की फातिया के साथ होगा। उर्स को पूरी अकीदत के साथ पूरे भारत सहित जिले में मनाया जाएगा। ज्ञात हो कि अहले सुन्नत के मुख्यालय बरेली शरीफसे तारीख का ऐलान होने के बाद 6 अगस्त को भारत के ग्रैंड मुफ्ती असजद रजा खान कादरी द्वारा परचम कुशाई के साथ उर्स कार्यक्रमो की शुरूआत की जाएगी। इसी कड़ी में बालाघाट मुख्यालय में जामा मस्जिद के अलावा अन्य मस्जिदों और मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में 8 अगस्त शनिवार को दोपहर 2ण्38 बजे कुल की विशेष फातिया के साथ विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम और लंगर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। रजा एक्शन कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष हाजी शोएब खान ने बताया कि उर्स के अवसर पर कुरान खानीए मिलाद खानीए दरूद की महफिल सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित होंगे। बालाघाट जामा मस्जिद और शहर की अन्य मस्जिदों पर कार्यक्रम आयोजित होंगे और आला हजरत की जीवनी पर तकरीर दी जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष हाजी शोएब खान ने बताया कि आला हजरत इमाम अहमद रजा खान का जन्म 1856 को भारत के बरेली शरीफमें हुआ था। जिनके जन्म के समय भारत की आजादी की लड़ाई लड़ी जा रही थी।

केन्द्रीय गृहमंत्री से मिली सांसद भारती पारधी

बालाघाट, देशबन्धु। लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी ने बुधवार को संसद भवन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान बालाघाटदृसिवनी लोकसभा क्षेत्र के समग्र विकास, क्षेत्रीय आवश्यकताओं तथा भविष्य की विकास संभावनाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत एवं सार्थक चर्चा हुई।

बैठक के दौरान बालाघाट जिले में लंबे समय तक नक्सलवाद से प्रभावित रहे क्षेत्रों की वर्तमान परिस्थितियों, सुरक्षा व्यवस्था में आए सकारात्मक परिवर्तनों तथा विकास को नई गति देने की संभावनाओं पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया। सांसद ने लोकसभा क्षेत्र की भौगोलिक एवं सामाजिक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण, सड़क एवं संपर्क सुविधाओं के

विस्तारए जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा विकास कार्यों को गति देने से जुड़े विभिन्न विषय केंद्रीय गृह मंत्री के समक्ष रखे। चर्चा के दौरान इस बात पर भी विशेष बल दिया गया कि शांतिए सुरक्षा और विकास एक.दूसरे के पूरक हैं। बीते वर्षों में सुरक्षा के क्षेत्र में हुए सकारात्मक बदलावों ने बालाघाट में विकास की नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। अब यह क्षेत्र निवेशए पर्यटनए रोजगारए कृषिए वन आधारित आजीविका तथा आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के माध्यम से समग्र विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सांसद भारती पारधी ने कहा कि बालाघाट सिवनी लोकसभा क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक तक विकास का लाभ पहुँचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनप्रतिनिधि के रूप में वे क्षेत्र की आवश्यकताओं एवं जन.अपेक्षाओं को निरंतर केंद्र सरकार के समक्ष प्रभावी रूप से रख रही हैंए ताकि विकास से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों को समयबद्ध गति मिल सके। भेंट के दौरान संगठनात्मक एवं समन्वय से जुड़े विषयों पर भी सकारात्मक चर्चा हुई।

विद्यार्थियों की सुविधा के लिये कलेक्टर कुमार सत्यम के निर्देश

बुदबुदा-नदीटोला पुल की एप्रोच रोड तैयार

बालाघाट, देशबन्धु। वारासिवनी तहसील के अंतर्गत बुदबुदा और नदीटोला के बीच कासनाला पर निर्माणाधीन पुल की एप्रोच रोड न होने से ग्रामीणों, विशेषकर छात्र.छात्राओं को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। मामला सामने आने पर कलेक्टर कुमार सत्यम ने तत्काल संज्ञान लेते हुए लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग के अधिकारियों को एप्रोच रोड तैयार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश के बाद विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पुल के दोनों ओर अस्थायी एप्रोच रोड तैयार कर दी हैए जिससे विद्यार्थियों का आवागमन शुरू हो गया है। लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग द्वारा कासनाला पर पुल का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण कर लिया गया हैए लेकिन एप्रोच रोड के अभाव में पुल का उपयोग नहीं हो पा रहा था। इससे आसपास के ग्रामीणों के साथ.साथ स्कूल आने.जाने वाले छात्र.छात्राओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सेतु निर्माण संभाग के एसडीओ को तत्काल एप्रोच रोड तैयार करने के निर्देश दिएए ताकि विद्यार्थियों और ग्रामीणों की समस्या का शीघ्र समाधान हो सके। लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग के एसडीओ अर्जुन सिंह सनोडिया ने बताया कि पुल की एप्रोच रोड का कार्य फ्लिहाल अर्थवर्क स्तर तक पूरा किया गया है। वर्तमान में वर्षा ऋतु को देखते हुए स्थायी निर्माण संभव नहीं है।

वनविभाग का कागजों में पौधे उगाने की जांच पर ढुलमुल रवैया

मामला पूर्व बैहर वन परिक्षेत्र के तहत कैम्पा मद में गड़बड़ी का, कारनामे पर आखिर कौन डाल रहा पर्दा

बालाघाट, देशबन्धु। वन विभाग के अफसरों को मैदानी अमले के रूप में जंगलों की सुरक्षा की जवाबदेही होती है लेकिन मिलीभगत से जंगलों के बीच अवैध कटाई और योजनाओं ध्वस्त करते हुए आर्थिक हितों का जो खेल चलता है उजगार होने के बाद कैसे ढुलमुल रवैया अपनाया जाता है यह पूर्व बैहर सामान्य के मंडई बीट के कक्ष क्रमांक 1651 जगला बीट में कैम्पा मद को लेकर समझा जा सकता है। सरकारी रिकार्ड में पौधे लहलहा रहे है लेकिन हकीकत में 100 पौधे भी जीवित नहीं है जबकि उक्त वनभूमि पर खेती चल रही है। मामले का खुलासा किये जाने के बाद वनविभाग के अधिकारी हरकत में तो आये लेकिन जांच में ढिलाई कर दी गई है जिससे आर्थिक अनियमितता का अंदेशा गहराता जा रहा है।

कैम्पा मद से जुड़ा है मामला

वन परिक्षेत्र पूर्व बैहर सा. के तहत 15 हेक्टेयर क्षेत्र में 7500 सागौन मिश्रित पौधे लगाये जाने हरित अभियान के तहत कैम्पा मद से राशि जारी की गई और धरती पर पौधे तो नहीं लगे लेकिन वनविभाग के सरकारी रिकार्ड में पौधे लहलहाकर आर्थिक हितलाभ की पूर्ति कर ली गई। जंगल कटाई और रेत के कथित अवैध उत्खनन जैसे मामलों में अपनी कार्यप्रणाली को लेकर विवादों में रहने वाले बीटगार्ड सलमान हैदरी की भूमिका सवालों के घेरे में है। क्योंकि मौके पर हजार तो छोड़िये 100 पौधे भी नहीं है जबकि यहां मक्का, तुअर और घुइया की खेती हो रही है इस प्रकार शासकीय धन पर डाका डालने का प्रयास किये जाने की जनचर्चा है। यह कारनामा वन संरक्षण तथा कैम्पा योजना की पारदर्शिता और निगरानी व्यवस्थाओं को कटघरे में खड़ा करता है।

सुरक्षा श्रमिक पर गिरा दी गाज

मामले में बीटगार्ड सलमान हैदरी की संलिप्तता सामने आती इससे पहले ही प्रकरण को उच्चाधिकारियों तक पहुंचाने वाले सुरक्षा श्रमिक

लालू प्रसाद को नौकरी से हटा दिया गया। उक्त सुरक्षा श्रमिक द्वारा वन विभागीय हित में परिक्षेत्र अधिकारी को जानकारी दी गई थी लेकिन आर्थिक लाभ से जुड़ी खामियों से पर्दा उठना बीटगार्ड को नागवार गुजर गया। सुरक्षा श्रमिक ने मांग रखी है कि इस मामले की उच्चस्तरीय जांच की जाये और उसे कार्य पर वापस लिया जाये।

परिक्षेत्र अधिकारी का टालमटौल रवैया

कैम्पा मद को खोखला करने वाले इस मामले की जानकारी परिक्षेत्र अधिकारी को लगातार खबर प्रकाशन के बाद पहुंचती रही। जिन्होंने चर्चा में प्रकरण को गंभीरता से लेकर जांच किये जाने की बात कही थी लेकिन इस मामले को उजागर हुये एक सप्ताह बीतने जा रहा है और रेंजर की जांच टालमटौल रवैये से ज्यादा कुछ नहीं है ऐसा प्रतीत हो रहा है कि वनविभाग में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार की आशंका और प्रबल हो रही है।

इनका कहना है

इस प्रकरण में कैम्पा मद से जुड़ी जानकारी रेंजर से लेकर पूर्व बीटगार्ड की क्या भूमिका थी उसकी जांच की जायेगी, सुरक्षा श्रमिक को किन कारणों से हटाया गया देखेंगे तथ्य सामने आने पर उसकी गलती नहीं है तो उसे कार्य पर वापिस रखा जायेगा।

रेशमसिंह धुर्वे
वन मण्डलाधिकारी
उत्तर सामान्य वन मंडल बालाघाट